10 दिवसीय लीडरशीप प्रोग्राम संपन्न

सोलन, 28 जून (राजेंद्र) : दी लॉरेंस स्कूल सनावर में चल रही दस दिवसीय सनावर लीडरशीप प्रोग्राम की दूसरी शृंखला सोमवार को संपन्न हुई। दस दिवसीय लीडरशीप प्रोग्राम का आयोजन दी लॉरेंस स्कूल सनावर द्वारा किया गया। जिसका उद्देश्य बच्चों में नेतृत्व की क्षमता के साथ साथ उनकी बहुआयामी प्रतिभाओं को उजागर करना था। इस कार्यशाला में एसबल टीम ने बच्चों में बहुआयामी प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया वहीं नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने व शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों पर खरा उतरने की सीख भी प्रदान की। इस कार्यशाला में बच्चों को शारीरिक रूप से सक्षम बनाने के लिये बच्चों को चुनौतीपूर्ण कार्यों की पेशकश की,

प्रमाण पत्र के साथ बच्चे।

जिसमें जंगल में दो दिन के कैंपिंग और लगभग 8 किमी लंबी जंगल यात्रा भी शामिल थी। इस कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने दो अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय [illegible] महिलाओं से बातचीत की तथा उनके जीवन की चुनौतियों और संघर्ष भरे जीवन के अनुभव से अवगत हुए। इस मौके पर अपने अतिथि भाषण में स्कूल के पूर्व छात्र पृथ्वी सिंह चहल ने जो वर्तमान में पंजाब पुलिस में डीएसपी के पद पर कार्यरत हैं माउंट एवरेस्ट पर अपनी विजय यात्रा का विस्तार से वर्णन किया। बच्चों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में सदैव सकारात्मक सोच रखने वाला ही विजयी होता है। लीडरशीप प्रोग्राम के समापन अवसर पर [illegible] ने मुख्य अतिथि [illegible] और प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र भेंट किए। दस दिवसीय लीडरशीप प्रोग्राम के समापन समारोह के अवसर पर अपने धन्यवाद भाषण में स्कूल के मुख्य अध्यापक विनय पांडे ने कहा कि दस दिवसीय लीडरशीप प्रोग्राम का बच्चों ने अच्छी तरह से लाभ उठाया व भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होता रहेगा। उन्होंने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया।

शिमला [illegible]
दिनांक [illegible] (सोलन [illegible])

प्रतिभागी बच्चों को बांटे सर्टिफिकेट

■ कुंदन लाल, कसौली

■ दि लॉरेंस स्कूल सनावर में लीडरशिप प्रोग्राम के समापन पर एसपी ने दिया सम्मान

दि लॉरेंस स्कूल सनावर में चल रही दस दिवसीय समावर लीडरशिप प्रोग्राम की दूसरी श्रृंखला गुरुवार को संपन्न हुई। दस दिवसीय लीडरशिप प्रोग्राम का आयोजन दि लॉरेंस स्कूल सनावर द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों में नेतृत्व की क्षमता के साथ-साथ उनमें बहुआयामी प्रतिभाओं को उजागर करना था। इस कार्यशाला में एक्सपर्ट टीम ने जहां बच्चों में बहुआयामी प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया। वहीं नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने व शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों पर खरा उतरने की सीख भी प्रदान की। इस कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने दो अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त महिलाओं से बातचीत की तथा उनके जीवन की चुनौतियों और संघर्ष भरे जीवन के अनुभव से रू-ब-रू हुए। चंडीगढ़ की पचीस वर्षीय विद्या जो भारत की पहली जन्मांध कम्प्यूटर ग्रेजुएट है, बच्चों से बातचीत के दौरान दिव्यांगों के प्रति करुणा तथा सहयोग की भावना रखने की अपील की। झारखंड की 16 वर्षीय सोनिका ने बच्चों को बताया कि किस तरह समाज की उपेक्षा तथा भेदभाव से लड़ते हुए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी बनने का अपना सपना पूरा किया। इस कार्यशाला के सबसे कम उम्र के प्रतिभागी अनंद सिंह ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि इस दस दिवसीय कार्यशाला ने उनके जीवन को एक नई दिशा दी है। इस मौके पर अपने आतिथ्य भाषण में स्कूल के पूर्व छात्र पृथ्वी सिंह चहल ने जो वर्तमान में पंजाब पुलिस में डीएसपी के पद पर कार्यरत हैं माउंट एवरेस्ट पर अपनी विजय यात्रा का विस्तार से वर्णन किया। बच्चों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में सदैव सकारात्मक सोच रखने वाला ही विजयी होता है। लीडरशिप प्रोग्राम के समापन अवसर पर मधुसूदन शर्मा, पुलिस अधीक्षक, सोलन ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और प्रतिभागी बच्चों को सर्टिफिकेट भेंट किए। दस दिवसीय लीडरशिप प्रोग्राम के समापन समारोह के अवसर पर अपने धन्यवाद भाषण में स्कूल के मुख्याध्यापक विनय पांडे ने कहा कि दस दिवसीय लीडरशिप प्रोग्राम का बच्चों ने अच्छी तरह से लाभ उठाया व भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होता रहेगा। उन्होंने मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया।

दिव्य हिमाचल पेज नं-4 (सोलन).
दिनांक 22/06/18

लारेंस स्कूल में बच्चों ने सीखा नेतृत्व करना

संवाद सहयोगी, सोलन : कसौली के प्रतिष्ठित द लॉरेंस स्कूल सनावर में चल रही दस दिवसीय सनावर लीडरशिप प्रोग्राम की दूसरी शृंखला का सोमवार को समापन हो गया। दस दिवसीय लीडरशिप प्रोग्राम का आयोजन द लॉरेंस स्कूल सनावर द्वारा किया गया जिसका उद्देश्य बच्चों में नेतृत्व की क्षमता के साथ-साथ उनमें बहुआयामी प्रतिभाओं को उजागर करना था।

कार्यशाला में बच्चों को शारीरिक रूप से सक्षम बनाने के लिए बच्चों को चुनौतीपूर्ण कार्यों के टास्क भी करवाए गए। इसमें जंगल में दो दिन के कैंपिंग व जंगल में करीब आठ किमी लंबा ट्रेक भी किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने दो अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त महिलाओं से बातचीत की। बेंगलुरु की 25 वर्षीय [illegible] जो भारत की पहली [illegible] कंप्यूटर [illegible] हैं, ने बच्चों से दिव्यांगों के प्रति करुणा व सहयोग की भावना रखने का आह्वान किया। झारखंड की 16 वर्षीय [illegible] ने बच्चों को बताया कि किस तरह समाज की उपेक्षा व भेदभाव से लड़ते हुए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी बनने का अपना सपना पूरा किया। इसमें सबसे कम उम्र के प्रतिभागी अनंद सिंह ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि इस कार्यशाला ने उनके जीवन को एक नई दिशा दी है। इस मौके पर अपने अतिथि भाषण में स्कूल के पूर्व छात्र पृथ्वी सिंह पाहल जो वर्तमान में पंजाब पुलिस में डीएसपी के पद पर कार्यरत हैं, ने माउंट एवरेस्ट पर अपनी विजय यात्रा का वर्णन किया। कार्यशाला के समापन पर [illegible] शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और प्रतिभागी बच्चों को प्रमाणपत्र बांटे। इस दौरान स्कूल के हेडमास्टर विनय पांडे ने मुख्यातिथि को स्मृतिचिह्न भेंट कर उनका आभार जताया।

सनावर स्कूल में कार्यशाला के समापन पर मुख्यातिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते हेडमास्टर विनय पांडे • जागरण

दैनिक जागरण पेज नं 3
सोलन / सिरमौर दिनांक 29/6/18

विद्यार्थियों की नेतृत्व क्षमता का किया जा रहा विकास

संवाद सहयोगी, सोलन : द लॉरेंस स्कूल सनावर की ओर से मंगलवार को लीडरशिप कार्यशाला शुरू हुई। इसमें देश के विभिन्न भागों से 20 से अधिक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यशाला का शुभारंभ गत माह अपने पिता अजीत बजाज के साथ माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली दीया बजाज ने किया।

दस दिवसीय कार्यशाला में दस से चौदह वर्ष के विद्यार्थियों की नेतृत्व प्रतिभा का विकास किया जाएगा। बच्चों को बहादुरी व रोमांचक क्रियाकलापों के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के अवसर पर एएसएपर संस्था के संस्थापक अमित भाटिया ने बच्चों को कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया व बच्चों से इसमें बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया। स्वागत भाषण में स्कूल के मुख्याध्यापक विनय पांडे ने कहा कि हमारा जीवन चुनौतियों भरा है और इन चुनौतियों से सामना करने के लिए हममें नेतृत्व क्षमता का होना आवश्यक है, इस दृष्टि से यह कार्यशाला अत्यंत महत्वपूर्ण है। दीया बजाज ने कहा कि मुझे गर्व है कि मेरे माता-पिता ने मुझे कभी ये एहसास नहीं करवाया कि मैं एक लड़की हूं और मैं लड़कों जैसा कार्य नहीं कर सकती। उन्होंने मुझे हमेशा प्रोत्साहित किया। जिक्र किया कि कैसे वह अपने पिता के साथ माउंट एवरेस्ट पर फतह की।

सनावर स्कूल में कार्यशाला के शुभारंभ पर पहुंची पिता संग एवरेस्ट फतह करने वाली दीया बजाज को सम्मानित करते लॉरेंस स्कूल सनावर के हेडमास्टर विनय पांडे ● जागरण

आयोजन

- लॉरेंस स्कूल सनावर में लीडरशिप प्रोग्राम का आगाज
- पिता संग एवरेस्ट फतह करने वाली दीया बजाज रहीं मुख्य अतिथि

उन्होंने अपने हैरतअंगेज कारनामों से अवगत कराया और बच्चों को जीवन की चुनौतियों को सहर्ष स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया। स्कूल हेडमास्टर विनय पांडे ने उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि दीया बजाज को स्मृतिचिह्न भेंट किया। इस दौरान स्टेशन कमांडर कसौली ब्रिगेडियर विक्रम शर्मा, पाइनग्रोव स्कूल के संस्थापक कैप्टन एजे सिंह, स्कूल पीआरओ आरएस चौहान आदि मौजूद रहे।

दी लॉरेंस स्कूल में लीडरशिप का आगाज

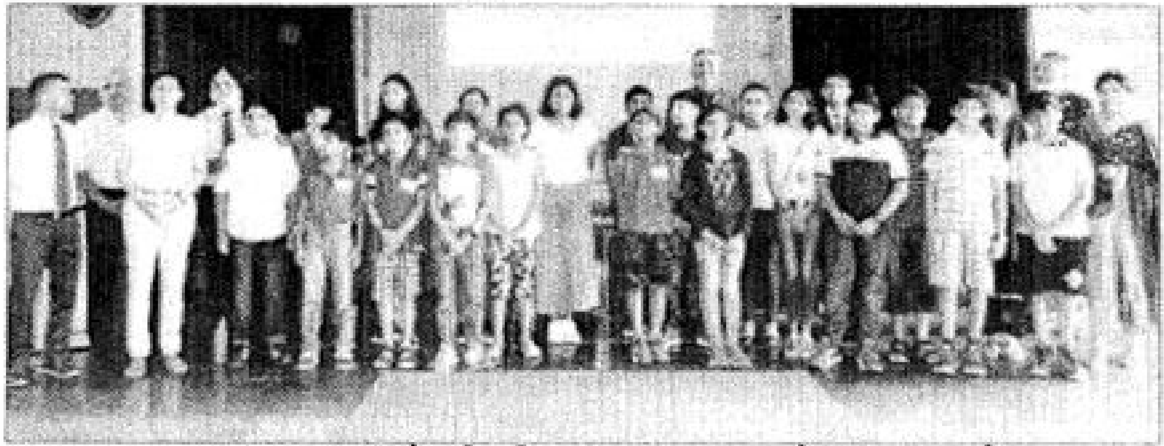

▪ कार्यशाला में जुटे देश के विभिन्न भागों से आए 20 छात्र

▪ निजी संवाददाता, कसौली

दी लॉरेंस स्कूल सनावर के तत्वावधान में मंगलवार को लीडरशिप कार्यशाला का आगाज हो गया, जिसमें देश के विभिन्न भागों से 20 से जादा छात्रों ने हिस्सा लिया। इस दस दिवसीय कार्यशाला में दस से चौदह वर्ष के छात्रों की नेतृत्व प्रतिभा का विकास किया जाएगा। बच्चों को बहादुरी तथा रोमांचक क्रियाकलापों के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के अवसर पर एस्पायर संस्था के संस्थापक अमित भाटिया ने बच्चों को कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया तथा बच्चों से इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उद्घाटन समारोह के दौरान अपने स्वागत भाषण में स्कूल के मुख्य अध्यापक विनय पांडे ने कहा कि हमारा जीवन चुनौतियों भरा है और इन चुनौतियों से सामना करने के लिए हममे नेतृत्व क्षमता का होना अत्यावश्यक है और इस दृष्टि से यह कार्य शाला अत्यंत महत्व पूर्ण है। अपने उद्घाटन भाषण में दीया बजाज जिसने इसी साल अपने पिता श्री अजित बजाज के साथ माउन्ट एवेरेस्ट पर फतह करके भारत के पहले पिता पुत्री का एक साथ माउंट एवेरेस्ट पर फतेह करने रिकार्ड अपने नाम किया। दिया ने अपने भाषण में बच्चों को मोटीवेट करते हुए कहा कि मुझे गर्व है कि मेरे माता-पिता ने मुझे कभी यह एहसास नहीं कराया की मैं एक लड़की हूं और मैं लड़कों जैसा कार्य नहीं कर सकती उन्होंने मुझे हमेशा पुरोत्सान किया आगे बढ़ने के लिए दिया ने अपने भाषण में इस बात का जिक्र किया की कैसे वह अपने पिता के साथ माउंट एवेरेस्ट पर फतह की उसने अपने ने हैरत अंगेज कार नामो से अवगत कराया और उन्हें जीवन की चुनौतियों को सहर्ष स्वीकार करने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने उद्घाटन समारोह की मुख्यातिथि दीया बजाज को समृति चिन्ह भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। इस समारोह में कसौली के ब्रिगेडियर विक्रम शर्मा तथा पाइन ग्रोव स्कूल के संथापक कैप्टन एजे सिंह ने भी शिरकत की।

दिव्य हिमाचल Wed, 20 June 2018
epaper.divyal.machal.com/c/29669145

The Tribune
CHANDIGARH | WEDNESDAY | 20 JUNE 2018

20 take part in leadership programme at Sanawar

TRIBUNE NEWS SERVICE

Participants of the leadership programme at Lawrence School in Sanawar on Tuesday. TRIBUNE PHOTO

SOLAN, JUNE 19

The 10-day Sanawar Leadership Programme, which is being held in collaboration with Aspire, kick-started at The Lawrence School, Sanawar, on Tuesday.

Over 20 girls and boys in the 10-14 year age group from across the country are participating in this residential summer camp. It seeks to develop leadership skills and qualities through discussion-based case studies, adventure activities, community service, communications and various other important life skills.

Amit Bhatia, chief executive officer and founder of Aspire, informed the participants about various activities offered in the programme and encouraged the young participants to take maximum advantage of this unique opportunity. The participants were engaged in thought provoking Socratic dialogue titled "Kungfu Panda" on the first day of the camp.

Inaugurating the second edition of TSLP, Deeya Bajaj, the guest of honour on the occasion and an avid mountaineer said a true leader must always be humble and positive. She created history about a month ago by becoming the first Indian father-daughter duo to scale Mount Everest.

In his welcome address, Vinay Pande, Headmaster, Lawrence School, said, "We must train ourselves adequately to face adversity in life if we want to become a true leader." The other dignitaries who graced the occasion were Brigadier Vikram Sharma and Captain AJ Singh, IPSC chairman and director, Pine Grove School.

The Tribune (Dated. 20/6/2018)
Page No 4

Summer leadership camp begins at Sanawar

Students during the camp.

DP CORRESPONDENTS
Solan

21 girls and boys from all over India have reported on Tuesday at the Lawrence School, Sanawar for the Sanawar Leadership Program, popularly known as TSLP. The camp is organised in collaboration with ASPIRE, a pioneer in leadership programs since 2007.

A 10-day long residential summer leadership camp seeks to engender and develop leadership skills and qualities through discussion based case studies, adventure activities, community service, communications and various other important life skills. Inaugurating the second edition of TSLP, Deeya Bajaj, the guest of honour on the occasion and an avid mountaineer, who created a history about a month ago becoming the first Indian father-daughter duo to scale the mighty Mount Everest, said that a true leader must always be humble and positive.

Amit Bhatia, CEO and founder of ASPIRE gave the details of the training programme. The participants enjoyed the ice-breaker activity and later engaged in thought provoking Socratic dialogue titled "Kung-Fu Panda".

In his welcome address, Vinay Pande, the Headmaster of the school presented the token of appreciation to the guest of honour Deeya Bajaj. The other dignitaries who graced the occasion with their benign presence were Brig Vikram Sharma and Captain AJ Singh, IPSC chairman and director, Pine Grove School.

HIGHLIGHTS

- **Participants enjoyed the ice-breaker activity**
- **Headmaster of the school presented the token of appreciation to the guest of honour**

Daily Post. (Dated. 2?/6/2015)
Page No. 5

Summer leadership camp begins at Sanawar

Students during the camp.

DP CORRESPONDENTS
Solan

21 girls and boys from all over India have reported on Tuesday at the Lawrence School, Sanawar for the Sanawar Leadership Program, popularly known as TSLP. The camp is organised in collaboration with ASPIRE, a pioneer in leadership programs since 2007.

A 10-day long residential summer leadership camp seeks to engender and develop leadership skills and qualities through discussion based case studies, adventure activities, community service, communications and various other important life skills. Inaugurating the second edition of TSLP, Deeya Bajaj, the guest of honour on the occasion and an avid mountaineer, who created a history about a month ago becoming the first Indian father-daughter duo to scale the mighty Mount Everest, said that a true leader must always be humble and positive.

Amit Bhatia, CEO and founder of ASPIRE gave the details of the training programme. The participants enjoyed the ice-breaker activity and later engaged in thought provoking Socratic dialogue titled "Kung-Fu Panda".

In his welcome address, Vinay Pande, the Headmaster of the school presented the token of appreciation to the guest of honour Deeya Bajaj. The other dignitaries who graced the occasion with their benign presence were Brig. Vikram Sharma and Captain AJ Singh, IPSC chairman and director, Pine Grove School.

HIGHLIGHTS

- Participants enjoyed the ice-breaker activity
- Headmaster of the school presented the token of appreciation to the guest of honour

Daily Post. (Dated. 2?/6/2015)
Page No. 5

लॉरेंस स्कूल में लीडरशिप प्रोग्राम का आयोजन

सोलन | लॉरेंस स्कूल सनावर में चल रही दस दिवसीय सनावर लीडरशिप प्रोग्राम की दूसरी शृंखला सोमवार को संपन्न हुई। दस दिवसीय लीडरशिप प्रोग्राम का आयोजन दी लॉरेंस स्कूल सनावर ने किया। इसका उद्देश्य बच्चों में नेतृत्व की क्षमता के साथ -साथ उनमें बहुआयामी प्रतिभाओं को उजागर करना था। इस कार्यशाला में एमआर टीम ने जहां बच्चों में बहुआयामी प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया वहीं नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने व शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों पर खरा उतरने की सीख भी प्रदान की। इस कार्यशाला में बच्चों को शारीरिक रूप से सक्षम बनाने के लिए बच्चों को चुनौतीपूर्ण कार्यों की पेशकश की, जिसमें जंगल में दो दिन के कैंपिंग और लगभग 8 किमी लंबी जंगल यात्रा भी शामिल थी। प्रतिभागियों ने दो अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त महिलाओं से बातचीत की।

दैनिक भास्कर पेज नं. 5
दिनांक 29/6/18 सोलन सिरमौर